चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	7-10-23	5	1-5

हकृवि में शुरू होने वाले हरियाणा कृषि विकास मेले में किसानों को कृषि से संबंधित नवाचारों से जोड़ा जाएगा : जेपी दलाल

कृषि मंत्री दलाल व हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कार्यक्रम स्थल का दौरा कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की

हिसार, 6 अक्तूबर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 8 अक्तूबर से आरंभ होने वाले तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को विभिन्न बीजों की उन्नत किस्में, फर्टीलाइजर, इनसैक्टीसाइड-पेस्टीसाइड, मशीनरी, कृषि से संबंधित नवाचारों, रसायनों रहित जैविक खेती के बारे में नई-नई जानकारियां प्रदान की जाएगी ताकि मेले में प्राप्त जानकारी से किसान फसलों की उन्नत किस्मों का लाभ उठाकर अपनी आय बढ़ा सकें। ये जानकारी हरियाणा के कृषि मंत्री जेपी दलाल ने दी। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 को लेकर मीडिया कर्मियों से रूबरू हुए। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज भी मौजूद रहें। कृषि मंत्री ने कहा कि इस मेले में मोटा-अनाज विषय पर काम करने वाले किसान, कृषि से संबंधित विभाग, स्टार्टअप्स व विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों की प्रौद्योगिकियां व उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे। कृषि मंत्री जेपी दलाल व हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने 8 अक्तूबर से आरंभ होने वाले तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 को लेकर कार्यक्रम स्थल का दौरा किया, जहां उन्होंने मेले की व्यवस्थाओं के लिए गठित कमेटियों के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। साथ ही आयोजन को सफल बनाए जाने के लिए संबंधित अधिकारियों को अपने सुझाव व उचित दिशा-निर्देश दिए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि किसान www.agriharyana.gov.in जारी लिंक पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। पंजीकरण के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गेट नंबर-3 के समीप मेला ग्राउंड में भी काउंटर लगाए जाएंगे। कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने बताया कि जो पंजीकृत किसान मेले में उपस्थित होगा उसे ही इनाम का हकदार माना जाएगा। मेले में तीनों दिन पंजीकृत किसानों का लकी ड्रा निकाला जाएगा, जिसमें इनाम के तौर पर उन्हें ट्रैक्टर जीतने का मौका मिलेगा। कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि मेले में एक कृषि औद्योगिक प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जिसमें 350 स्टालों की व्यवस्था होगी। इन स्टाल्स पर बीज, फर्टीलाइजर, इनसेक्टीसाइड, पेस्टीसाइड, सेल्फ हेल्प ग्रुप, मशीनरी, मोटा अनाज विषय पर काम करने वाले किसान, कृषि से संबंधित विभाग, स्टार्टअप्स व विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों की प्रौद्योगिकियां व उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे। मेले के दौरान आने वाले किसानों की खेतीबाड़ी संबंधी सभी समस्याओं के समाधान के लिए किसान गोष्ठियों का आयोजन होगा जिनमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक किसानों की कृषि व पशुपालन संबंधी समस्याओं का हल बताएंगे। इसके साथ आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का भ्रमण करवाकर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई खरीफ फसलें दिखाई जाएगी और इन फसलों में वैज्ञानिकों द्वारा प्रयोग की गई प्रौद्योगिकी के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी जाएगी।

हकृवि में शुरू होने वाले तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 को लेकर कार्यक्रम स्थल का आयोजन लेते हरियाणा के कृषि मंत्री जेपी दलाल व कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज सहित अन्य अधिकारीगण।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	7-10-23	5	7-8

गुलाबी सुंडी से कपास की फसल को हुए नुकसान की होगी भरपाई: कृषि मंत्री

■ भावांतर भरपाई योजना पंजीकरण में गड़बड़ी करने वालों पर होगी कार्रवाई

सच कहूं/संदीप सिंहमार।

हिसार। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जय प्रकाश दलाल ने कहा कि गुलाबी सुंडी के चलते किसानों को नुकसान हुआ है। यह मामला मुख्यमंत्री मनोहर लाल के संज्ञान में लाने के बाद उन्होंने सर्वेक्षण के लिए पोर्टल खोलने के निर्देश दिए हैं। गैर-बीमित किसानों को क्षतिपूर्ति पोर्टल के माध्यम से उनकी खराब हुई फसलों का मुआवजा दिया जाएगा। कृषि मंत्री हकृवि के फैकल्टी कक्ष में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि भावांतर भरपाई योजना के पंजीकरण में गड़बड़ी के मामलों पर कृषि मंत्री ने कहा कि इस दिशा में सूक्ष्मता से निगरानी की जा रही है। जैसे ही कोई मामला सामने आता है, तो दोषी के विरुद्ध कार्यवाही के लिए लिखा जा रहा है। उन्होंने किसानों से भी अपील की कि वे पोर्टल पर भी अपनी फसल के पंजीकरण की जांच कर लें। उन्होंने कहा कि अभी तक मंडियों में लगभग 22 लाख मीट्रिक टन धान की आवक हो चुकी है।

प्राकृतिक खेती वर्तमान समय की सबसे बड़ी जरूरत है। सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 8 अक्टूबर से आरंभ होने वाले तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेले के दौरान भी किसानों को कृषि क्षेत्र के नवाचारों, प्राकृतिक खेती, मोटा अनाज, नैनो यूरिया व डीएपी, फसल विविधीकरण, स्वदेशी उपकरणों तथा ड्रोन इत्यादि के संबंध में विस्तृत जानकारियां दी जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	7-10-23	4	1-5

'गत वर्ष पंजाब के मुकाबले प्रदेश में 10 प्रतिशत ही पराली जली'

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जय प्रकाश दलाल ने शुक्रवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुएकहा कि पराली जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए हरियाणा सरकार पूरी गंभीरता से कार्य कर रही है। इसी के परिणामस्वरूप गत वर्ष पंजाब के मुकाबले हरियाणा में केवल 10 प्रतिशत ही पराली जलाने की घटनाएं हुई थीं।

इस वर्ष प्रदेश में पराली को लेकर जीरो बर्निंग का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अभी तक लगभग 80 हजार पराली प्रबंधन मशीनें किसानों को दी जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि आठ अक्टूबर से एचएयू में तीन दिवसीय मेले में किसानों को कृषि क्षेत्र के नवाचारों, प्राकृतिक खेती, मोटा अनाज, नैनो यूरिया व डीएपी, फसल विविधीकरण, स्वदेशी उपकरणों तथा ड्रोन इत्यादि के संबंध में विस्तृत जानकारियां दी जाएगी। कृषि मंत्री ने हरियाणा स्टेट मार्केटिंग बोर्ड द्वारा लक्की ड्रा के माध्यम से चयनित चार किसानों को ट्रैक्टर भी वितरित किए। किसानों से बातचीत की तो उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी है कि वे लक्की है। इस अवसर पर एचएयू कुलपति डा. बीआर कंबोज, कुलसचिव बलवान सिंह मंडल, कृषि विभाग से उप-कृषि निदेशक विनोद फोगाट व गजराज सिंह नैन उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि मंत्री जेपी दलाल ट्रैक्टर पर बैठकर विजेता किसान को ट्रैक्टर की चाबी सौंपते हुए। • जागरण

मेले में ये होंगे मुख्यअतिथि

मेले के पहले दिन आठ अक्टूबर को उपराष्ट्रपति जगदीप सिंह धनखड़, नौ अक्टूबर को राज्यसभा सांसद बिप्लव कुमार देव और अंतिम दिन 10 अक्टूबर को मुख्यमंत्री मनोहर लाल मुख्यातिथि होंगे।

मंडियों में हो चुकी 22 लाख मीट्रिक टन धान की आवक

कृषि मंत्री ने कहा कि पराली प्रबंधन की दिशा में ही इस बार एक अक्टूबर की बजाय 25 सितंबर से धान की खरीद आरंभ कर दी है, ताकि किसान को अगली फसल की बिजाई से पूर्व पराली का प्रबंधन करने का पर्याप्त समय मिले। मंडियों में लगभग 22 लाख मीट्रिक टन धान की आवक हो चुकी है।

मुआवजा दिया जाएगा

भावांतर भरपाई योजना के पंजीकरण में गड़बड़ी के मामलों पर कृषि मंत्री ने कहा कि मामला सामने आते ही दोषी के विरुद्ध कार्यवाही के लिए लिखा जा रहा है। गुलाबी सुंडी के चलते किसानों को नुकसान हुआ है। उन्होंने सर्वेक्षण के लिए पोर्टल खोलने के निर्देश दिए है। गैर-बीमित किसानों को क्षतिपूर्ति पोर्टल से खराब फसलों का मुआवजा दिया जाएगा।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	7-10-23	2	1-4

गुलाबी सुंडी से कपास की फसल को हुए नुकसान की होगी भरपाई : मंत्री दलाल

पिछले साल पंजाब के मुकाबले प्रदेश में केवल 10% ही पराली जलाई, इस बार जीरो बर्निंग का लक्ष्य

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। कृषि मंत्री जय प्रकाश दलाल ने कहा पिछले वर्ष पंजाब के मुकाबले हरियाणा में केवल 10 प्रतिशत ही पराली जलाने की घटनाएं हुई थीं। इस वर्ष प्रदेश में पराली को लेकर जीरो बर्निंग का लक्ष्य रखा गया है। लगभग 80 हजार पराली प्रबंधन मशीनें किसानों को दी जा चुकी हैं।

गुलाबी सुंडी के चलते किसानों को नुकसान हुआ है तो सर्वेक्षण के लिए पोर्टल खोलने के निर्देश दिए हैं। गैर-बीमित किसानों को क्षतिपूर्ति पोर्टल के माध्यम से उनकी खराब हुई फसलों का मुआवजा दिया जाएगा।

शुक्रवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि पराली प्रबंधन की दिशा में ही इस बार हरियाणा में 1 अक्तूबर के बजाय 25 सितंबर से धान की खरीद शुरू की। इससे किसान को अगली फसल की बिजाई से पूर्व पराली का प्रबंधन करने का पर्याप्त समय मिले। मंडियों में लगभग 22 लाख मीट्रिक टन धान की आवक हो चुकी है।

भावांतर भरपाई योजना के पंजीकरण में गड़बड़ी मामलों में होगी कार्रवाई : भावांतर भरपाई योजना के पंजीकरण में गड़बड़ी के मामलों पर कृषि मंत्री ने कहा कि इस दिशा में सूक्ष्मता से निगरानी की जा रही है। कोई मामला सामने मिलते ही दोषी के विरुद्ध कार्रवाई के लिए लिखा जा रहा है। किसान पोर्टल पर भी अपनी फसल के पंजीकरण की जांच कर लें। अगर किसी ने गलत पंजीकरण कराया हो तो शिकायत दर्ज कराएं। उन्होंने कहा कि 8 अक्तूबर से आरंभ होने वाले तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेले के दौरान भी किसानों को कृषि क्षेत्र के नवाचारों, प्राकृतिक खेती, मोटा अनाज, नैनो यूरिया व डीएपी, फसल विविधीकरण, स्वदेशी उपकरणों व ड्रोन के संबंध में विस्तृत जानकारियां दी जाएंगी।

श्रीअन्न का भी व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। पहले दिन उपराष्ट्रपति जगदीप सिंह धनखड़ मुख्य अतिथि होंगे। दूसरे दिन 9 को मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद विप्लव कुमार देव रहेंगे। मेले के अंतिम दिन 10 को मुख्यमंत्री मनोहर लाल मेले में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। इस अवसर पर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बीआर काम्बोज, कुलसचिव बलवान सिंह मंडल, कृषि विभाग से उप-कृषि निदेशक विनोद फोगाट मौजूद रहे।

हिसार में कृषि विभाग की योजना के तहत लक्की ड्रॉ के विजेता किसान को ट्रैक्टर की चाबी देते कृषि मंत्री जेपी दलाल। संवाद

कार्यक्रम स्थल का किया दौरा

कृषि मंत्री जेपी दलाल, कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 को लेकर कार्यक्रम स्थल का दौरा किया। मेले की व्यवस्थाओं के लिए गठित कमेटियों के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। कुलपति ने बताया कि तीनों दिन पंजीकृत किसानों का लक्की ड्रॉ निकाला जाएगा। इसमें इनाम के तौर पर ट्रैक्टर जीतने का मौका मिलेगा। करीब 30 लाख रुपये तक के इनाम वितरित किए जाएंगे। लक्की ड्रा के दौरान किसानों का मौके पर मौजूद होना अनिवार्य है। किसान www.agriharyana.gov.in जारी लिंक पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। पंजीकरण के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गेट नंबर-3 के समीप मेला ग्राउंड में भी काउंटर लगाए जाएंगे।

औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े विषयों पर लगेंगी 350 स्टालें

कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि मेले में एक कृषि औद्योगिक प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जिसमें 350 स्टालों की व्यवस्था होगी। इन स्टालों पर बीज, फर्टिलाइजर, इनसेक्टीसाइड-पेस्टीसाइड, सेल्फ हेल्प ग्रुप, मशीनरी, मोटा अनाज विषय पर काम करने वाले किसानों के उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे। फसल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। किसानों के मनोरंजन के लिए तीनों दिन हरियाणवी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

समस्याओं का समाधान करेंगे वैज्ञानिक

मेले के दौरान आने वाले किसानों की खेतीबाड़ी संबंधी सभी समस्याओं के समाधान के लिए किसान गोष्ठियों का आयोजन होगा। जिनमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक किसानों की कृषि व पशुपालन संबंधी समस्याओं का हल बताएंगे। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का भ्रमण कराया जाएगा।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	7-10-23	4	2-6

कृषि मंत्री व एचएयू के कुलपति ने कार्यक्रम स्थल का दौरा कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की

हकृवि कृषि मेले में पंजीकृत किसान जीत सकेंगे ट्रैक्टर, तीसरे दिन लकी ड्रा

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में तीन दिनों के लिए आने वाले किसान ट्रैक्टर जीत सकेंगे। मेले में आने वाले किसानों को अपना पंजीकरण करवाना होगा, इन पंजीकृत किसानों का लकी ड्रा निकाला जाएगा, जिसमें इनाम के तौर पर ट्रैक्टर जीतने का भी मौका मिलेगा। मेले में किसानों को 30 लाख रुपए तक के ईनाम दिए जाएंगे। पंजीकृत किसानों को लकी ड्रा के दौरान उपस्थित रहना भी अनिवार्य होगा। उम्दा फसल उत्पादन करने वाले किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए इस अवसर पर फसल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। मेले का उद्घाटन 8 अक्टूबर को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ करेंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि किसान www.agriharyana.gov. in जारी लिंक पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। पंजीकरण के लिए एचएयू के गेट नंबर-3 के समीप मेला ग्राउंड में भी काउंटर लगाए जाएंगे।

कृषि व औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े विषयों पर लगेंगी 350 स्टॉलें कृषि मेले में एक कृषि औद्योगिक प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जिसमें 350 स्टॉलों की व्यवस्था होगी। इन स्टालों पर बीज, फर्टीलाइजर, इनसेक्टीसाइड-पेस्टीसाइड, सेल्फ हेल्प ग्रुप, मशीनरी, मोटा अनाज विषय पर काम करने वाले किसान, कृषि से संबंधित विभाग, स्टार्टअप्स व विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों की प्रौद्योगिकियां व उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे।

किसानों की समस्याओं का समाधान करेंगे वैज्ञानिक

कृषि मेले के दौरान आने वाले किसानों की खेतीबाड़ी संबंधी सभी समस्याओं के समाधान के लिए किसान गोष्ठियों का आयोजन होगा जिनमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक किसानों की कृषि व पशुपालन संबंधी समस्याओं का हल बताएंगे। इसके साथ आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का भ्रमण करवाकर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई खरीफ फसलें दिखाई जाएंगी और इन फसलों में वैज्ञानिकों द्वारा प्रयोग की गई प्रौद्योगिकी के बारे में जानकारी दी जाएगी।

कृषि मंत्री जेपी दलाल ने किया मेला स्थल का निरीक्षण

कृषि मंत्री जेपी दलाल व हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने 8 अक्टूबर से आरंभ होने वाले तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 को लेकर कार्यक्रम स्थल का दौरा किया। जहां उन्होंने मेले की व्यवस्थाओं के लिए गठित कमेटियों के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। साथ ही आयोजन को सफल बनाए जाने के लिए संबंधित अधिकारियों को अपने सुझाव व उचित दिशा-निर्देश दिए।

हिसार | कार्यक्रम स्थल का जायजा लेते कृषि मंत्री जेपी दलाल।

गैर बीमित के लिए खोला क्षतिपूर्ति पोर्टल : दलाल

भास्कर न्यूज | हिसार

कपास की फसल में गुलाबी सुंडी के चलते किसानों को नुकसान हुआ है। खराब फसलों के सर्वेक्षण के लिए क्षतिपूर्ति पोर्टल खोलने के निर्देश दिए हैं। गैर बीमित किसानों को क्षतिपूर्ति पोर्टल के माध्यम से खराब फसल का मुआवजा दिया जाएगा। यह बात कृषि मंत्री जयप्रकाश दलाल ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि पराली को लेकर जीरो बर्निंग का लक्ष्य रखा है। इसके परिणामस्वरूप गत वर्ष पंजाब के मुकाबले हरियाणा में केवल 10 प्रतिशत ही पराली जलाने की घटनाएं हुई थी। इस वर्ष प्रदेश में पराली को लेकर जीरो बर्निंग का लक्ष्य रखा है। इसको हासिल करने के लिए अभी तक लगभग 80 हजार पराली प्रबंधन मशीनें किसानों को दी जा चुकी हैं। पराली प्रबंधन की दिशा में ही इस बार हरियाणा में 1 अक्टूबर की बजाय 25 सितंबर से धान की खरीद शुरू कर दी है। अभी तक मंडियों में करीब 22 लाख मीट्रिक टन धान की आवक हो चुकी है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	7-10-22	1--	5--6

ये लो तुम्हारा ट्रैक्टर.... मुंह मीठा करो...

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में ड्रा में ट्रैक्टर निकलने पर किसान को ट्रैक्टर सौंपकर मुंह मीठा करवाते कृषि मंत्री जयप्रकाश दलाल।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे	05-10-2023	--	--

कृषि मंत्री और हकृवि कुलपति ने कार्यक्रम स्थल का दौरा कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की

हरियाणा कृषि विकास मेले में किसानों को कृषि से संबंधित नवाचारों से जोड़ा जाएगा : कृषि मंत्री

पांच बजे ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 8 अक्तूबर से आरंभ होने वाले तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को विभिन्न बीजों की उन्नत किस्में, फर्टीलाइजर, इनसेक्टीसाइड-पेस्टीसाइड, मशीनरी, कृषि से संबंधित नवाचारों, रसायनों रहित जैविक खेती के बारे में नई-नई जानकारियां प्रदान की जाएगी ताकि मेले में प्राप्त जानकारी से किसान फसलों की उन्नत किस्मों का लाभ उठाकर अपनी आय बढ़ा सकें। ये जानकारी हरियाणा के कृषि मंत्री जयप्रकाश दलाल ने दी। कृषि मंत्री ने कहा कि इस मेले में मोटा अनाज विषय पर काम करने वाले किसान, कृषि से संबंधित विभाग, स्टार्टअप्स व विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों की

प्रौद्योगिकियां व उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे।

कृषि मंत्री जेपी दलाल व हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कार्यक्रम स्थल का किया दौरा

कृषि मंत्री जेपी दलाल व हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने 8 अक्तूबर से आरंभ होने वाले तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 को लेकर कार्यक्रम स्थल का दौरा किया, जहां उन्होंने मेले की व्यवस्थाओं के लिए गठित कमेटियों के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। साथ ही आयोजन को सफल बनाए जाने के लिए संबंधित अधिकारियों को अपने सुझाव व उचित दिशा-निर्देश दिए।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि किसान www.agriharyana.gov.in जारी लिंक पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। पंजीकरण के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गेट नंबर-3 के समीप मेला साइड में भी काउंटर लगाए जाएंगे।

मेले के तीनों दिन पंजीकृत किसानों का निकाला जाएगा लकी ड्रा, जीत सकेंगे ट्रैक्टर

कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने बताया कि जो पंजीकृत किसान मेले में उपस्थित होगा उसे ही इनाम का हकदार माना जाएगा। मेले में तीनों दिन पंजीकृत किसानों का लकी ड्रा निकाला जाएगा, जिसमें इनाम के तौर पर उन्हें ट्रैक्टर जीतने का मौका मिलेगा। कुलपति ने बताया कि मेले में किसानों को करीब 30 लाख रुपये तक के इनाम वितरित किए जाएंगे। लकी ड्रा के दौरान किसानों का मौके पर मौजूद होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि उम्दा फसल उत्पादन करने वाले किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए इस अवसर पर फसल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के प्रकाशनों की बिक्री भी होगी। उन्होंने बताया कि किसानों के मनोरंजन के लिए तीनों दिन हरियाणवी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

कृषि व औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े विषयों पर लगेंगी 350 स्टालें

कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि मेले में एक कृषि औद्योगिक प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जिसमें 350 स्टालों की व्यवस्था होगी। इन स्टालों पर बीज, फर्टीलाइजर, इनसेक्टीसाइड-पेस्टीसाइड, मेल्फ हेल्प ग्रुप, मशीनरी, मोटा अनाज विषय पर काम करने वाले किसान, कृषि से संबंधित विभाग, स्टार्टअप्स व विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों की प्रौद्योगिकियां व उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	07.10.2023	--	--

कृषि मंत्री ने किसानों से की पराली न जलाने की अपील

गुलाबी सुंडी से कपास की फसल को हुए नुकसान की भरपाई करेगी सरकार

- पंजाब के मुकाबले पिछले साल हरियाणा में केवल 10 प्रतिशत ही पराली जलाने की घटनाएं हुई थी इस बार जीरो बर्निंग का लक्ष्य
- भावांतर भरपाई योजना के पंजीकरण में गड़बड़ी के मामलों पर दोषियों के विरुद्ध होगी कार्रवाई

हिसार। पत्रकारों से बातचीत करते हुए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहा है कि गुलाबी सुंडी से कपास की फसल को हुए नुकसान की सरकार भरपाई करेगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल से बात हो चुकी है। कृषि मंत्री जेपी दलाल शुक्रवार को यहां पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गुलाबी सुंडी के चलते किसानों को नुकसान हुआ है। यह मामला मुख्यमंत्री मनोहर लाल के संज्ञान में लाने के बाद उन्होंने सर्वेक्षण के लिए पोर्टल खोलने के निर्देश दिए हैं।

गैर-बीमित किसानों को क्षतिपूर्ति पोर्टल के माध्यम से उनकी खराब हुई फसलों का मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने किसानों से भी अपील की कि वे पोर्टल पर भी अपनी फसल के पंजीकरण की जांच कर लें। मंत्री ने कहा कि पराली जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए हरियाणा सरकार पूरी गंभीरता से कार्य कर रही है। इसी के परिणामस्वरूप गत वर्ष पंजाब के मुकाबले हरियाणा में केवल 10 प्रतिशत ही पराली जलाने की घटनाएं हुई थी। इस वर्ष प्रदेश में पराली को लेकर जीरो बर्निंग का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अभी तक लगभग 80 हजार पराली प्रबंधन मशीनें किसानों को दी जा चुकी है।

मंत्री ने कहा कि हरियाणा में प्राकृतिक खेती वर्तमान समय की सबसे बड़ी जरूरत है। सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

22 लाख मीट्रिक टन धान की आवक

कृषि मंत्री ने कहा कि पराली प्रबंधन की दिशा में ही इस बार हरियाणा में एक अक्टूबर की बजाय 25 सितंबर से धान की खरीद आरंभ कर दी गई है, ताकि किसान को अगली फसल की बिजाई से पूर्व पराली का प्रबंधन करने का पर्याप्त समय मिले। अभी तक मंडियों में लगभग 22 लाख मीट्रिक टन धान की आवक हो चुकी है। भावांतर भरपाई योजना के पंजीकरण में गड़बड़ी के मामले पर कृषि मंत्री ने कहा कि इस दिशा में गुणवत्ता से जांच की जा रही है। जैसे ही कोई मामला सामने आता है, तो दोषी के विरुद्ध कार्यवाही के लिए लिखा जा रहा है।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 8 अक्टूबर से आरंभ होने वाले तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेले के दौरान भी किसानों को कृषि क्षेत्र के नवाचारों, प्राकृतिक खेती, मोटा अनाज, नैनो यूरिया व डीएपी, फसल विविधीकरण, स्वदेशी उपकरणों तथा ड्रोन इत्यादि के संबंध में विस्तृत जानकारियां दी जाएगी।

किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का भ्रमण करवाकर नई कृषि प्रौद्योगिकी के बारे में बताया जाएगा। कृषि मंत्री ने बताया कि मेले के पहले दिन 8 अक्टूबर को मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति जगदीप सिंह धनखड़ रहेंगे, दूसरे दिन 9 अक्टूबर को मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद बिप्लव कुमार देब रहेंगे तथा मेले के अंतिम दिन 10 अक्टूबर को मुख्यमंत्री मनोहर लाल मेले में मुख्यातिथि के तौर पर शिरकत करेंगे। इससे पूर्व कृषि मंत्री ने हरियाणा स्टेट मार्केटिंग बोर्ड द्वारा लक्की ड्रॉ के माध्यम से चयनित चार किसानों को ट्रैक्टर भी वितरित किए। इस अवसर पर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बी आर काम्बोज, कुलसचिव बलवान सिंह मंडल, कृषि विभाग से उप-कृषि निदेशक विनोद फोगाट व गजराज सिंह नैन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	7-10-23	2	1-8

अब हरियाणा में लहलहाएगा अंजीर, किसान होंगे मालामाल

निजी कंपनी ने नकारा-एचएयू ने दिया सहारा

- हरियाणा के लोग पहली बार ले सकेंगे अंजीर की चटनी व अन्य उत्पादों का स्वाद

राजेश्वर बैनीवाल ▶▶ हिसार

कहते हैं आवश्यकता आविष्कार की जननी है, ये भी कहा जाता है कि यदि कोई मुसीबत आती है तो कुछ सिखाकर भी जाती है-ये दोनों कहावतें उन किसानों के लिए स्टीक बैठक रही है, जिनसे अंजीर लेने के लिए राजस्थान की एक कंपनी ने करार किया, दो साल तक उनसे अंजीर लिए। तीसरी साल कंपनी ने अंजीर तो ले लिया लेकिन किसानों को पैसा अभी तक नहीं लौटाया। किसान परेशान हो गए, वे अंजीर के पौधों को उखाड़ने का विचार कर ही रहे थे कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के संपर्क में आ गए, यहां से उन्हें न केवल सहारा व हौसला मिला बल्कि विश्वविद्यालय ने उन्हें तीन दिन तक प्रशिक्षण देकर यह अहसास करवाया कि अंजीर केवल एक ही काम नहीं आता बल्कि किसान इससे कई चीजें बनाकर फायदा उठा सकते हैं। यहां बात हो रही है कि फतेहाबाद जिले के उन किसानों की, जो तीन दिनों से यहां के हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में अंजीर व अंजीर से बनने वाली चीजों बारे प्रशिक्षण ले रहे हैं। प्रशिक्षण से किसान न केवल संतुष्ट नजर आए बल्कि इस हौसले में भी नजर आए कि अब वे अंजीर से एक नहीं बल्कि अनेक चीजें बनाकर लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

हिसार। अंजीर की फाइल फोटो। फोटो: हरिभूमि

एफपीओ के माध्यम से पहुंचे एचएयू

इसी दौरान किसानों की मुलाकात हुई फतेहाबाद के न्यू नैना देवी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लि. के निदेशकों से और अपनी दुखभरी दास्तान बताई। उक्त कंपनी के पदाधिकारियों ने किसानों को हौसला दिया और कहा कि उन्हें निराश होने की जरूरत नहीं है, अंजीर उनके लिए फायदेमंद हो सकता है। ऐसा कहकर उक्त कंपनी के निदेशकों ने किसानों को अपने एफपीओ के साथ जोड़ा और सब एकत्रित होकर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अधिकारियों के पास पहुंचकर उनसे पूछा कि अंजीर का क्या करें, इससे क्या-क्या बन सकता है।

असमंजस में पड़ गए एचएयू के अधिकारी

उनकी बात सुनकर एचएयू के अधिकारी भी असमंजस में पड़ गए क्योंकि उन्होंने अभी तक अंजीर की खेती बारे कोई प्रशिक्षण आयोजित नहीं किया था लेकिन उनके सामने इन किसानों की समस्या दूर करना चुनौती थी। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान सह निदेशक सह निदेशक डॉ. अशोक गोदारा व अन्य विभागों के अधिकारियों से विचार-विमर्श करके यह सोचा कि अंजीर से क्या-क्या बन सकता है। पूरी जांच पड़ताल के बाद अधिकारियों ने अंजीर बारे प्रशिक्षण आयोजित करने का निर्णय लिया।

फायदेमंद रहा प्रशिक्षण शिविर

एफपीओ न्यू नैना देवी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लि. के निदेशकों मुकेश कुमार, सुनील कुमार, शर्मिला, सुरेन्द्र, सुनील व प्रशिक्षण प्राप्त करने आए किसानों ने बताया कि यहां पर प्रशिक्षण लेने के बाद उन्हें पता चला है कि अंजीर केवल एक तरह का फ्रूट नहीं बल्कि इससे तो कई प्रकार की चीजें बनाई जा सकती है।

निश्चय ही ये प्रशिक्षण उनके लिए लाभप्रद रहा और वे अब अन्य किसानों व महिलाओं को भी इससे जोड़ेंगे। फिलहाल इस एफपीओ के साथ फतेहाबाद जिले के ढांड, खाराखेड़ी, शेखुपुर, बीघड़, अहली सदा, भूना व बाड़ोपल के किसान जुड़े हुए हैं।

अंजीर पर काम करने वाला हरियाणा का पहला एफपीओ : मुकेश

एफपीओ निदेशक मुकेश कुमार ने बताया कि उनका एफपीओ अंजीर की खेती के लिए रजिस्टर्ड हरियाणा का पहला एफपीओ है। अब हरियाणा सरकार ने इसे बागवानी सरंक्षण व फसल बीमा योजना में भी शामिल कर लिया है तो यह चिंता भी समाप्त हो गई कि यदि फसल खराब हो गई तो क्या करेंगे। सबसे बड़ी बात है कि वे किसी कंपनी पर निर्भर नहीं रहेंगे और अपना व्यवसाय कर सकेंगे।

कंपनी ने किया धोखा तो मायूस हुए किसान

दरअसल हुआ यूं कि राजस्थान की एक निजी कंपनी ने फतेहाबाद जिले के कई गांवों में अंजीर उगाने वाले किसानों से करार किया कि उनकी अंजीर 300 रुपये किलो के हिसाब से खरीद ली जाएगी। बाजार में 800 से 1000 रुपये किलो बिकने वाला अंजीर 300 रुपये में कंपनी में देकर भी किसान संतुष्ट थे कि उन्हें इसे बेचने के लिए कहीं भटकना नहीं पड़ेगा। अगली साल कंपनी ने कहा कि वह केवल 200 रुपये किलो के हिसाब से अंजीर खरीदेगी, किसान उसमें भी मान गए और इससे अगली साल कंपनी फिर बोली आ गई और कहा कि हम तो 100 रुपये किलो अंजीर खरीद सकते हैं। किसान इसमें खुश रहे कि उन्हें अंजीर बेचने के लिए कहीं घूमना नहीं पड़ेगा लेकिन कंपनी ने यहां पर भी किसानों से धोखा किया। उसका अंजीर 100 रुपये किलो के हिसाब से खरीदा लेकिन अभी तक उसकी पेमेंट नहीं की। किसान परेशान हो गए और अंजीर के पौधों को उखाड़ने का विचार करने लगे।

कई प्रकार के प्रोडक्ट हो सकते तैयार : डॉ. गोदारा

सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान सह निदेशक डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि किसानों को तीन दिन का प्रशिक्षण दिया गया है। उन्हें बताया गया है कि अंजीर से 25 प्रकार के प्रोडक्ट तैयार हो सकते हैं। इनमें मुख्य रूप से जैम, जूस, जैली व प्रकार की चटनी शामिल हुआ अन्य शामिल है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक व कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के मार्गदर्शन में किसानों के लिए समय-समय पर प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाते हैं ताकि किसान अधिक से अधिक फायदा उठा सकें। सहायक निदेशक डॉ. डीके शर्मा व स्टार फूड इंडस्ट्री के निदेशक रवि ढाका ने किसानों को प्रशिक्षण के दौरान विस्तार से जानकारी दी।